



21051



₹ 15.00

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्  
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 978-93-5007-353-7 (वर्षा-सैट)  
978-93-5007-369-8

# निर्धर्तः



पठनम् एव अवगमनम्



प्रथम संस्कृत संस्करण : अगस्त 2015 श्रावण 1937

पुनर्मुद्रण : जून 2020 आषाढ़ 1942

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2015

PD 153TRPS

पुस्तकमाला निर्माण समिति

कंचन सेठी, कृष्ण कुमार, ज्योति सेठी, टुलटुल विश्वास, मुकेश मालवीय, राधिका मेनन, शालिनी शर्मा, (स्वर्गीय) लता पाण्डे, स्वाति वर्मा, सारिका वशिष्ठ, सोमा कुमारी, सोनिका कौशिक, सुशील शुक्ल

सदस्य-समन्वयक – लतिका गुप्ता

संपादक ( संस्कृत ) – कृष्णचन्द्र त्रिपाठी

संस्कृत अनुवाद – रणजित बेहेरा, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

चित्रांकन, सज्जा तथा आवरण – निधि वाधवा

संस्कृत समीक्षा समिति

यज्ञ दत्त शर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर संस्कृत, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; कृष्ण चन्द्र त्रिपाठी, प्रोफेसर संस्कृत, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली; राजेश्वर प्रसाद मिश्र, प्रोफेसर संस्कृत, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा; भागीरथी नन्द, एसोसिएट प्रोफेसर, साहित्य विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, कटवारिया सराय, नई दिल्ली; पतञ्जलि कुमार भाटिया, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; सूर्य नारायण नन्द, अतिथि अध्यापक, सेंट स्टीफेन्स कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली; हरेकृष्ण अगस्ति, असिस्टेंट प्रोफेसर, व्याकरण विभाग, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर, महाराष्ट्र; सुगन्ध पाण्डेय, टी.जी.टी. संस्कृत, केन्द्रीय विद्यालय, काशीपुर, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड; निर्मल मिश्र, टी.जी.टी. संस्कृत, केन्द्रीय विद्यालय, नरेला, दिल्ली; डॉ. जतीन्द्र मोहन मिश्र, सह आचार्य, भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

आभार ज्ञापन

प्रो. बी.के.त्रिपाठी, निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; कृष्ण कुमार, पूर्व-निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; वसुधा कामथ, पूर्व-संयुक्त-निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रोद्योगिकी संस्थान, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली; उमा शंकर शर्मा ऋषि, पूर्व विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार; के. के. वशिष्ठ, पूर्व-विभागाध्यक्ष, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित तथा चन्द्रप्रभु ऑफसेट प्रिंटिंग वर्क्स प्रा. लि., सी-40, सैक्टर-8, नोएडा 201 301 द्वारा मुद्रित।

ISBN 978-93-5007-353-7 (वर्षा-सैट)

978-93-5007-369-8

वर्षा-क्रमिक-पुस्तकमाला प्राथमिककक्षायाः बालानां कृते वर्तते। अस्याः अभिप्रायः – ‘बोधनेन सह’ स्वयंपठनस्य अवसरपरिकल्पनं वर्तते। अस्याः पुस्तकमालायाः कथाः चतुर्षु स्तरेषु पञ्चसु कथावस्तुषु च विभक्ताः सन्ति। ‘वर्षा’ बालानाम् सानन्दं पठने स्थायिपाठकत्वेन निर्माणे च सहायिका भविष्यति। बालेभ्यः दैनन्दिन्यः लघुलघुघटनाः कथा इव रुचिकराः प्रतीयन्ते। अतः वर्षा-मालिकायाः सर्वाः कथाः दैनिकजीवनस्य अनुभवान् आधृत्य वर्तन्ते। लघुबालानां पठनाय प्रचुरमात्रायां पुस्तकानि उपलब्धानि स्युरिति अस्याः पुस्तकमालायाः अपरमुद्देश्यं वर्तते।

वर्षा-पुस्तकमाला बालानां पठन-शिक्षणे, स्थायिपाठकनिर्माणे, सूचनासंग्रहणे पाठ्यचर्यायाः प्रत्येकं क्षेत्रे च सहायिका भविष्यति। शिक्षकाः वर्षा-मालिकां कक्षायाम् तथा स्थापयेयुः येन बालाः सुखेन पुस्तकानि ग्रीहीतुं शक्नुयुः।

#### सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्वअनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रानिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

#### एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

- एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस, श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 फोन : 011-26562708
- 108, 100 फीट रोड, हेली एक्सटेंशन, होस्टेकरे, बनावंकरा III स्टेज, बंगलूरु 560 085 फोन : 080-26725740
- नवजीवन ट्रस्ट भवन, डाकघर नवजीवन, अहमदाबाद 380 014 फोन : 079-27541446
- सी.डब्ल्यू.सी. कैम्पस, निकटः धनकल बस स्टॉप पनिहटी, कोलकाता 700 114 फोन : 033-25530454
- सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स, मालीगाँव, गुवाहाटी 781 021 फोन : 0361-2674869

#### प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : अनूप कुमार राजपूत मुख्य उत्पादन अधिकारी : अरुण चितकारा  
मुख्य संपादक : श्वेता उप्पल मुख्य व्यापार प्रबंधक : विपिन दिवान



# निर्गतः



जीतः

बबली



2

एकदा अवकाशः आसीत्।  
जीतः बबली च प्रातः आरभ्य क्रीडतः स्म।



तौ बहुविधाः क्रीडाः अक्रीडताम्।  
तौ रज्जु-कूर्दनम् अपि अक्रीडताम्।





4

पुनः गोपनागोपनम् अक्रीडताम्।  
तदनु गुल्ली-दण्डम् अखेलताम्।



बबली क्रिकेट-क्रीडां क्रीडितुम् अवदत्।  
जीतः कन्दुकं प्रक्षेप्तुं तत्परः अभवत्।





जीतः कन्दुकम् अक्षिपत्।  
बबली वेगेन दण्डं भ्रामितवती।



कन्दुकं मोहितस्य अङ्गने पतितम्।  
मोहितस्य गृहं तालकेन पिहितम् आसीत्।





बबली-जीतयोः क्रीडा अवरुद्धा।

बबली अकथयत् यत् अहं कन्दुकं निर्मातुं जानामि।



सा वस्त्र-खण्डानि, कर्गदं पुटकं च आनेतुं जीतं कथितवती।  
सा स्वयम् अपि एतत् सर्वम् अन्वेष्टुं प्रारब्धवती।





तौ मिलित्वा कर्गदस्य शकलानि पुटकानि च सङ्गृहीतवन्तौ।  
बबली सूत्रम् आनयत्।



सर्वाणि मेलयित्वा बबली गोलकं निर्मितवती।  
गोलकं सूत्रेण गाढं बद्धवती।





12

द्वयोः अभीष्टं कन्दुकं निर्मितम्।  
क्रीडा पुनः आरब्धा।



इदानीं बबली कन्दुकं गृहीतवती।  
जीतः दण्डम् आधारयत्।





बबली कन्दकं क्षिप्तवती।  
जीतः वेगेन दण्डं भ्रामितवान्।



कन्दुकम् उपरि खण्डशः उन्मुक्तम्।  
बबली कूर्दित्वा एकं वस्त्र-खण्डं गृहीतवती।





बबली कूर्दन्ती “निर्गतः निर्गतः” इति उच्चैः अवदत्।  
सा हस्ते वस्त्र-खण्डं धृत्वा “निर्गतः निर्गतः” इति वदन्ती धावितवती।

# जीत-बबल्यो: अपरा: कथा:

